राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
(संक्षिप्त परिचय)

स्थापना :

राजस्थान साहित्य अकादमी की स्थापना राज्य सरकार द्वारा 28 जनवरी, 1958 को राजस्थान राज्य में साहित्य, संस्कृति और भाषा के विकास, प्रोत्साहन और प्रचार–प्रसार की दृष्टि से की गई है। स्थापना के समय अकादमी राज्य सरकार की शासकीय इकाई के रूप में कार्यरत थी। अकादमी का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान था और हिन्दी, राजस्थानी, संस्कृत, उर्दू, ब्रज भाषाओं के साहित्य और संस्कृति के विकास और उत्थान का कार्य इस अकादमी के अन्तर्गत था। 08 नवम्बर, 1962 को अकादमी को कार्यकरण के लिए स्वायतता प्रदान की गई।

तत्पश्चात् 1980 में राज्य सरकार के निर्णयानुसार राज्य में राजस्थानी , उर्दू, संस्कृत, ब्रज भाषा आदि की पृथक और स्वतंत्र अकादमियां स्थापित की गई। राजस्थान साहित्य अकादमी ने इन अकादमियों के गठन तक हिन्दी भाषा में 'मधुमती', राजस्थानी भाषा की 'जागती जोत', संस्कृत में 'स्वर मंगला' और उर्दू भाषा में 'नखलिस्तान' का नियमित रूप से प्रकाशन किया और उन भाषाओं में भी सताधिक ग्रन्थ प्रकाशित किए जो सम्बन्धित भाषायी अकादमियों को हस्तान्तरित कर दिए गए हैं। इस प्रकार राजस्थान साहित्य अकादमी साहित्य, भाषा और संस्कृति की सर्वप्रथम गठित और व्यापक क्षेत्र वाली अकादमी है।

वर्तमान में राजस्थान साहित्य अकादमी राज्य सरकार के आदेशानुसार हिन्दी भाषा, साहित्य और संस्कृति का कार्य कर रही है। इस अकादमी का कार्य क्षेत्र व्यापक है और इसकी साहित्यकारों की संख्या भी सर्वाधिक है।

उद्देश्य एवं कृत्य :

1. राजस्थान में हिन्दी साहित्य की अभिवृद्धि के लिए प्रयत्न करना।
2. राजस्थान के हिन्दी भाषा के साहित्यकारों और विद्वानों में पारस्परिक सहयोग की अभिवृद्धि के लिए प्रयत्न करना।
3. संस्थाओं और व्यक्तियों को हिन्दी साहित्य से संबंधित उच्च स्तरीय ग्रन्थों, पत्र–पत्रिकाओं, कोश, विश्वकोष, आधारभूत शब्दावली, ग्रन्थ निर्देशिका, सर्वेक्षण व सूचीकरण आदि के सृजन व प्रकाशन में सहायता देना तथा स्वयं भी इनके प्रकाशन की व्यवस्था करना।
4. भारतीय भाषाओं में एवं विश्वभाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य का अनुवाद करना तथा ऐसे अनुवाद कार्य को प्रोत्साहित करना या सहयोग देना।
5. साहित्यिक सम्मेलन, विचार–संगोष्ठियों, परिसंवादों, सृजनतीर्थ, रचना पाठ, लेखक शिविर, प्रदर्शनियां, अन्तर प्रादेशिक साहित्यकार बंधुत्व यात्राएं, भाषणमाला, कवि सम्मेलन एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार की अन्य योजनाओं आदि की व्यवस्था करना तथा तद्निमित्त आर्थिक सहयोग देना।
6. राजस्थान के साहित्यकारों को उनकी हिन्दी साहित्य की उत्कृष्ट रचनाओं के लिए सम्मानित करना।
7. हिन्दी साहित्य से संबंधित सृजन, अनुवाद, साहित्यिक शोध व आलोचनापरक अध्ययन संबंधी प्रकल्प, भाषा वैज्ञानिक एवं साहित्यिक सर्वेक्षण, लोक साहित्य संग्रह तथा ऐसे ही प्रकल्पों के

लिए राजस्थान की संस्थाओं तथा व्यक्तियों को वित्तीय सहयोग देना तथा स्वयं भी ऐसे प्रकल्पों को निष्पन्न करना।

8. राजस्थान के हिन्दी के साहित्यकारों को वित्तीय सहायता, शोधवृत्तियां आदि देना।
9. अकादमी पुस्तकालय, वाचनालय तथा अध्ययन एवं विचार–विमर्श केन्द्र स्थापित करना और इस प्रवृत्ति के विकास के लिए राजस्थान की हिन्दी संस्थाओं को वित्तीय सहयोग देना।
10. ऐसे अन्य कार्य करना जो अकादमी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक समझे जावें चाहे वे उपरोक्त कृत्यों में हो या न हों।

laxBu %

1. सरस्वती सभा (सर्वोच्च सभा)
2. संचालिका (कार्यकारिणी)
3. परामर्शदात्री समितियां

प्रवृत्तियां :

पुस्तक प्रकाशन एवं हमारे पुरोधा योजना : अकादमी की प्रमुख प्रवृत्ति श्रेष्ठ व साहित्यिक ग्रंथों का प्रकाशन करना है। इस योजना के अन्तर्गत अकादमी राजस्थान के सृजनशील लेखकों की पुस्तकों, संकलनों, ग्रन्थावलियों आदि का प्रकाशन करती है। अकादमी अपने रचनाकारों को पुस्तक प्रकाशन पर यथानियम रायल्टी या मानदेय भी देती है। अकादमी ने अद्यतन 142 श्रेष्ठ साहित्यिक ग्रंथों का प्रकाशन किया है।

इसी योजना में दिवंगत पुरोधा साहित्यकारों के व्यक्तित्व व कृतित्व पर अद्यतन 28 ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया है।

पत्रिका प्रकाशन : अकादमी द्वारा सृजनधर्मियों की रचनाओं के प्रकाशन व साहित्यिक संवाद का कार्य हिन्दी की मासिक पत्रिका 'मधुमती' के माध्यम से गत 53 वर्षों से किया जा रहा है। मधुमती के 36 से अधिक विशेषांकों का प्रकाशन भी किया गया है। यह पत्रिका अखिल भारतीय स्तर पर चर्चित एवं प्रशंसित है, इसका वार्षिक शुल्क मात्र एक सौ बीस रु. है।

पाण्डुलिपि प्रकाशन : अकादमी की पाण्डुलिपि प्रकाशन सहयोग योजनान्तर्गत लेखकों से प्राप्त प्रविष्टियों की प्राथमिक जांच, समीक्षा – मूल्यांकन, स्तर आदि पर विचार कर आर्थिक सहयोग प्रदान करती है। सत्र 82–83 से प्रारम्भ की गई इस योजना में वर्ष 2012–13 तक अकादमी सहयोग से अद्यतन 596 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं।

पुरस्कार : अकादमी प्रतिवर्ष विज्ञप्ति प्रसारित कर श्रेष्ठ कृतियों को पुरस्कृत करती है। अकादमी इस समय अग्रांकित पुरस्कारों का प्रतिवर्ष आयोजन करती है :–

1. क्र.सं.	पुरस्कार शीर्षक	विधा	राशि
1.	मीरा पुरस्कार	गद्य/पद्य – मौलिक,सृजनात्मक दिषापरक	75,000/– रु.
2.	सुधीन्द्र पुरस्कार	कविता	31,000/– रु.
3.	रांगेय राघव पुरस्कार	कहानी, उपन्यास	31,000/– रु.
4.	देवीलाल सामर पुरस्कार	नाटक,एकांकी	31,000/– रु.
5.	देवराज उपाध्याय पुरस्कार	निबंध, आलोचना, पाठ–संपादन, साहित्येतिहास	31,000/– रु.

6.	कन्हैयालाल सहल पुरस्कार	ललित गद्य, व्यंग्य, आत्म–कथा, जीवन–चरित्र, रेखाचित्र,संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रावृत्त आदि	31,000/– रु.
7.	डॉ. आलमशाह खान अनुवाद पुरस्कार	स्वीकृत भारतीय भाषाओं से हिन्दी में अनूदित कृति	31,000/– रु.
8.	मरुधर मृदुल युवा लेखन पुरस्कार (35 वर्ष तक के रचनाकार)	हिन्दी साहित्य की सभी विधाओं में प्रकाशित कृति	31,000/– रु.
9.	विजयसिंह पथिक साहित्यिक पत्रकारिता एवं रचनात्मक पुरस्कार	साहित्यिक पत्रकारिता और रचनात्मकता से संबंधित प्रवृत्तियों पर	31,000/– रु.
10.	प्रभा खेतान प्रवासी रचनाकार पुरस्कार	हिन्दी साहित्य की विविध विधाएं	31,000/– रु.
11.	शम्भूदयाल सक्सेना बाल साहित्य पुरस्कार	बाल साहित्य	31,000/– रु
12.	सुमनेश जोशी पुरस्कार	प्रथम प्रकाशित एक मात्र कृति– गद्य या पद्य	21,000/– रु.

इस योजनान्तर्गत अभी तक 31 साहित्यकारों को 'मीरा पुरस्कार', 44 को 'सुधीन्द्र', 39 को रांगेय राघव, 16 को देवीलाल सामर, 35 को देवराज उपाध्याय, 28 को कन्हैयालाल सहल, 2 को अन्तरप्रान्तीय साहित्य बंधुत्व, 27 को सुमनेश जोशी, 28 को शम्भूदयाल सक्सेना, 5 को प्रकाश जैन साहित्यिक पत्रकारिता पुरस्कार, 1 को भगवान अटलानी युवा लेखन तथा 1 को सरला अग्रवाल लघुकथा से समादृत किया गया है।

साहित्यिक समारोह :

अकादमी राजस्थान में प्रतिवर्ष विभिन्न प्रकार के साहित्यिक समारोह विभिन्न स्थानों पर आयोजित करती है। इन समारोहों में लेखक सम्मेलन, साहित्यकार सम्मान समारोह, आंचलिक साहित्यकार समारोह, सेमीनार, कवि गोष्ठियां, लेखक शिविर, अन्तरप्रान्तीय बंधुत्व यात्रा, साहित्यकार सृजन साक्षात्कार, लेखक से मिलिए, पाठक मंच और साहित्य के सामाजिक सरोकार आदि विषयों पर मूर्धन्य व पुरोधा साहित्यकारों की स्मृति में व्याख्यानमालाएं आदि हैं।

साहित्यकारों को आर्थिक सहयोग :

(अ) चिकित्सा व अभावग्रस्त सहयोग : अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष रुग्ण साहित्यकारों को चिकित्सा–सहयोग प्रदान किया जाता है। साथ ही अभावग्रस्त साहित्यकारों को भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। अद्यतन लगभग 8.89 लाख रु. का सहयोग इस योजना में प्रदान किया गया है।

(ब) सक्रिय, संरक्षित सम्मान सहयोग : अकादमी प्रतिवर्ष राजस्थान के वरिष्ठ एवं सक्रिय साहित्यकारों को सम्मान सहयोग राशि लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु प्रदान करती है। अद्यतन लगभग 16.66 लाख रु. का सहयोग स्वीकृत किया गया है।

(स) केन्द्रीय वृत्ति योजना : साहित्य के क्षेत्र के प्रख्यात साहित्यकारों और उनके आश्रितों को आर्थिक सहयोग केन्द्रीय वृत्ति योजना के अन्तर्गत उपलब्ध करवाया जाता रहा है।

(द) लेखकों के निजी व्यय से प्रकाशित ग्रन्थों पर सहयोगः इस योजनान्तर्गत लेखकों व लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु अकादमी अभी तक 383 पुस्तकों पर आर्थिक सहयोग प्रदान कर चुकी है।

(य) साहित्यिक संस्थाओं को सहयोग : अकादमी से इस समय राजस्थान स्थित 8 संस्थाएं सम्बद्ध और 13 मान्यता प्राप्त संस्थाएं अग्रांकित हैं जो सम्पूर्ण राजस्थान में निरन्तर साहित्यिक प्रसारात्मक कार्यों में सन्नद्ध हैं। अकादमी प्रतिवर्ष इन संस्थाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान कर विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों को आयोजित करवाती है और सम्पूर्ण राज्य में साहित्यिक वातावरण निर्माण का प्रयास करती है।

सम्बद्ध संस्थाएं :

1. अन्तरप्रान्तीय कुमार साहित्य परिषद, जोधपुर
2. राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़
3. साहित्य संगम, अलवर
4. साहित्य संस्थान (राजस्थान विद्यापीठ), उदयपुर
5. हिन्दी विश्वभारती अनुसंधान परिषद्, बीकानेर
6. श्रीहिन्दी साहित्य समिति, भरतपुर
7. भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
8. श्री भारतेन्दु समिति, कोटा

मान्यता प्राप्त संस्थाएं :

1. संभावना, जोधपुर
2. अजीत प्राच्य एवं समाज विद्या प्रतिष्ठान, सिरोही
3. हिन्दी साहित्य संसद, चूरू
4. संदर्श, नवलगढ़
5. साहित्य साधना समिति, पाली
6. सिन्ध राजस्थान राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, जयपुर
7. मां सरस्वती साहित्य परिषद, बांसवाड़ा
8. युगधारा, उदयपुर
9. नवकृति, उदयपुर
10. श्री द्वारकेश राष्ट्रीय साहित्य परिषद्, कांकरोली
11. जय साहित्य संसद, जयपुर
12. राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान, जयपुर
13. युवा मंडल, बारां

फैलाशिप :

अकादमी साहित्यकारों को उनके विशिष्ट साहित्यिक सृजनात्मक लेखन कार्य पर वर्तमान में 2000/–रु. मासिक की फैलोशिप प्रदान करती है। अद्यावधि इस योजना में 5 साहित्यकारों को फैलोशिप प्रदान की गयी है।

सम्मान योजना :

साहित्यकारों को अकादमी उनके समग्र कृतित्व एवं व्यक्तित्व के आधार पर दो प्रकार से सम्मानित करती है– 'साहित्य मनीषी' तथा 'विशिष्ट साहित्यकार सम्मान'। 'साहित्य मनीषी' सम्मान प्रति तीन वर्ष की कालावधि में एक साहित्यकार को प्रदान किया जाता है जिसमें सम्मान स्वरूप 2.51 लाख रु., प्रशस्ति पत्र आदि भेंट किये जाने का प्रावधान है। 'जनार्दनराय सम्मान' में 1.00 लाख रु., प्रशस्ति पत्र, 'विशिष्ट साहित्यकार सम्मान' में 51.00 हजार रु., प्रशस्ति पत्र, 'अमृत सम्मान' में 21.00 हजार, प्रशस्ति पत्र आदि भेंट किये जाते हैं। अकादमी अद्यतन 17 साहित्यकारों को 'साहित्य मनीषी', 01 को जनार्दनराय सम्मान से, 160 को 'विशिष्ट साहित्यकार' सम्मान से तथा 45 को 'अमृत सम्मान' से सम्मानित कर गौरवान्वित हुई है।

पाठक मंच :

पाठकों में साहित्यिक कृतियों के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने और एक साहित्यिक वातावरण निर्मित करने के लिए अकादमी ने राजस्थान में विभिन्न स्थानों पर पाठक मंचों की स्थापना की है। इन पाठक मंचों के माध्यम से साहित्यिक कृतियों पर खुली चर्चा तथा बहस की शुरुआत की गयी है। राज्य के विभिन्न केन्द्रों में प्रतिवर्ष 40 केन्द्रों पर संचालित इस योजना का व्यापक प्रभाव व स्वागत हुआ है।

अध्ययन विचार–विमर्श क्रेन्द्र :

यह योजना राजस्थान में अद्यतन अग्रांकित 8 स्थानों पर संचालित है– अलवर, श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, भरतपुर। इन केन्द्रों में अकादमी द्वारा पाठकों को अकादमी प्रकाशन व पत्रिका आदि निःशुल्क अध्ययनार्थ उपलब्ध हैं।

कृतिकार प्रस्तुति योजना :

अकादमी ने राजस्थान के स्थापित प्रबुद्ध साहित्यकारों के कृतित्व व उनके साहित्यिक योगदान को सामान्यजन तक पहुंचाने का विनम्र प्रयास 'कृतिकार प्रस्तुति' (मोनोग्राफ) प्रकाशन योजना के माध्यम से किया है। इस योजना के अन्तर्गत चुनिन्दा रचनाकारों के व्यक्तित्व व कृतित्व पर केन्द्रित विशिष्ट सामग्री प्रकाशित की जाती है। इस योजना में अभी तक 89 विशिष्ट लेखकों पर पुस्तिकाएं प्रकाशित हैं। यह योजना पूरे देश में पर्याप्त चर्चित व प्रशंसित है।

पं. जनार्दनराय नागर शोध सन्दर्भ केन्द :

अकादमी परिसर में जनार्दन नागर पुस्तकालय–वाचनालय स्थापित है। इस पुस्तकालय व वाचनालय का उपयोग विद्वान, साहित्यप्रेमी, पाठक नियमित रूप में कर रहे हैं। इसमें अधिकांश सन्दर्भ ग्रन्थ तथा शोधपरक हिन्दी साहित्य की 28,299 पुस्तकें हैं। वाचनालय में 78 साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक व त्रैमासिक पत्र–पत्रिकाएं तथा 13 दैनिक पत्र नियमित रूप से पाठकों हेतु उपलब्ध हैं। इस शोध संदर्भ केन्द्र से प्रतिदिन लगभग 165 शोधार्थी व पाठक लाभान्वित हो रहे हैं।

ध्वनि–चित्र संकलन :

लब्ध–प्रतिष्ठ व वरिष्ठ साहित्यकारों की वाणी को संरक्षित रखने की दृष्टि से यह योजना प्रारम्भ की गई है। इस योजना में अद्यतन राजस्थान के 53 रचनाकारों की रचनाएं उन्हीं की वाणी में संग्रहित हैं। अकादमी की शीघ्र ही राज्य के मूर्धन्य साहित्यकारों के कृतित्व को विडियोग्राफी के माध्यम से संरक्षित करने की योजना है।

इस प्रकार राजस्थान साहित्य अकादमी राज्य की साहित्यिक संचेतना के प्रसारण एवं साहित्यकारों को प्रेरणा, प्रोत्साहन और पहल के लिए निरन्तर प्रयत्नरत है तथा नयी कार्य योजनाओं और साहित्य उन्नयन के लिए निरन्तर विचाररत है।

‘साहित्य मनीषी’ सम्मान से सम्मानित साहित्यकार

1.	डॉ. सम्पूर्णानन्द	64—65
2.	मुनि श्री जिनविजय	64—65
3.	श्री हरिभाऊ उपाध्याय	64—65
4.	श्री सेठ गोविन्ददास	68—69
5.	श्री जनार्दनराय नागर	68—69
6.	श्री विद्याधर शास्त्री	68—69
7.	डॉ. रामधारीसिंह दिनकर	72—73
8.	डॉ. रामानन्द तिवारी ‘भारतीनन्दन’	72—73
9.	श्री सीताराम लालस	72—73
10.	श्री झाबरमल्ल शर्मा	82—83
11.	श्री कन्हैयालाल सेठिया	83—84
12.	श्री पन्नालाल पटेल	86—87
13.	डॉ. प्रकाश आतुर	89—90
14.	डॉ. फतह सिंह	95—96
15.	डॉ. भोलाशंकर व्यास	98—99
16.	डॉ. दयाकृष्ण विजयवर्गीय‘विजय’	2007—08
17.	डॉ. ताराप्रकाश जोशी	2012—13

‘मीरा’ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार

1.	डॉ. रामानन्द तिवारी	59—60
2.	डॉ. रामानन्द तिवारी	62—63
3.	श्री रघुवीरशरण मित्र	63—64
4.	श्री पोद्दार रामावतार ‘अरुण’	63—64
5.	डॉ. वेंकट शर्मा	74—75
6.	डॉ. दयाकृष्ण विजय	78—79
7.	डॉ. पानू खोलिया	79—80
8.	श्री हमीदुल्ला	80—81

9. श्री यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' 82—83
10. श्री नन्द चतुर्वेदी 83—84
11. श्री विजेन्द्र 86—87
12. डॉ. नन्दकिशोर आचार्य 85—86
13. श्री हरीश भादानी 86—87
14. श्री ऋतुराज 87—88
15. श्री ईश्वर चन्दर 88—89
16. डॉ. विश्वम्भरनाथ उपाध्याय 90—91
17. श्री अन्नाराम सुदामा 91—92
18. डॉ. कन्हैयालाल शर्मा 92—93
19. डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनागर 94—95
20. श्री भगवान अटलानी 95—96
21. श्रीमती सावित्री परमार 97—98
22. डॉ. चन्द्रप्रकाश देवल 98—99
23. डॉ. जीवनसिंह 2000—01
24. डॉ. जबरनाथ पुरोहित 2001—02
25. श्री हरिराम मीणा 2002—03
26. श्री बलवीर सिंह 'करुण' 2005—06
27. श्री आनंद शर्मा 2006—07
28. श्रीमती मृदुला बिहारी 2007—08
29. डॉ. जयप्रकाश पण्ड्या 'ज्योतिपुंज' 2010—11
30. श्री अम्बिका दत्त 2011—12
31. श्री भवानी सिंह 2012—13

—— अकादमी—अध्यक्ष ——

क्र.	नाम	कब से	कब तक
1.	श्री पं. जनार्दनराय नागर	28.01.1958	09.12.1965
2.	श्री हरिभाऊ उपाध्याय	10.12.1965	09.12.1968
3.	श्री निरंजननाथ आचार्य	10.12.1968	19.01.1970
4.	श्री पं. जनार्दनराय नागर	16.02.1970	16.02.1973
5.	श्री एल.एन. कौशिक	27.02.1973	30.11.1973
6.	श्री विष्णुदत्त शर्मा	19.02.1974	19.02.1980
7.	डॉ. दयाकृष्ण विजय	21.02.1980	25.09.1980
8.	श्री भगवानलाल व्यास	26.09.1980	10.12.1981
9.	डॉ. प्रकाश आतुर	19.12.1981	21.09.1989
10.	डॉ. दयाकृष्ण विजय	19.06.1990	18.06.1993
11.	श्री वेद व्यास	02.09.1993	02.08.1994
12.	श्री कृष्णचन्द मालू (प्रशासक.)	03.08.1994	03.03.1995
13.	डॉ. राधेश्याम शर्मा	04.03.1995	21.03.1999
14.	डॉ. पूनम दईया	15.05.1999	14.05.2002
15.	श्री वेद व्यास	18.09.2002	22.12.2003
16.	श्री अभय कुमार(प्रशासक)	23.06.2005	27.06.2005

17. श्री शिखर अग्रवाल(प्रशासक)	28.06.2005	03.03.2006
18. डॉ.(श्रीमती)अजित गुप्ता	04.03.2006	23.12.2008
19. श्री उमराव सालोदिया,आई.ए.एस.	04.03.2009	01.02.2011
20. श्रीमती उषा शर्मा, आई.ए.एस.	02.02.2011	23.11.2011
21. श्री वेद व्यास	24.11.2011 से	